रविवार **3** मई, **2026**

विषय — हमेशा की सजा

स्वर्ण पाठ: यूहन्ना 3: 17

"परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिये नहीं भेजा, कि जगत पर दंड की आज्ञा दे परन्तु इसलिये कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए।"

उत्तरदायी अध्ययन: भजन संहिता 62: 1, 2, 5, 7, 8

1 सचमुच मैं चुपचाप होकर परमेरश्वर की ओर मन लगाए हूं; मेरा उद्धार उसी से होता है।
2 सचमुच वही, मेरी चट्टान और मेरा उद्धार है, वह मेरा गढ़ है; मैं बहुत न डिगूंगा॥
5 हे मेरे मन, परमेश्वर के साम्हने चुपचाप रह, क्योंकि मेरी आशा उसी से है।
7 मेरा उद्धार और मेरी महिमा का आधार परमेश्वर है; मेरी दृढ़ चट्टान, और मेरा शरणस्थान परमेश्वर है।
8 हे लोगो, हर समय उस पर भरोसा रखो; उससे अपने अपने मन की बातें खोलकर कहो; परमेश्वर हमारा शरणस्थान है।

पाठ उपदेश

बाइबल

1. भजन संहिता 107: 1-6

1 यहोवा का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है; और उसकी करूणा सदा की है!
2 यहोवा के छुड़ाए हुए ऐसा ही कहें, जिन्हें उसने द्रोही के हाथ से दाम दे कर छुड़ा लिया है,
3 और उन्हें देश देश से पूरब- पश्चिम, उत्तर और दक्खिन से इकट्ठा किया है॥
4 वे जंगल में मरूभूमि के मार्ग पर भटकते फिरे, और कोई बसा हुआ नगर न पाया.
5 भूख और प्यास के मारे, वे विकल हो गए।
6 तब उन्होंने संकट में यहोवा की दोहाई दी, और उसने उन को सकेती से छुड़ाया.

2. 2 कुरिन्थियों 6: 1, 2

1 और हम जो उसके सहकर्मी हैं यह भी समझाते हैं, कि परमेश्वर का अनुग्रह जो तुम पर हुआ, व्यर्थ न रहने दो।
2 क्योंकि वह तो कहता है, कि अपनी प्रसन्नता के समय मैं ने तेरी सुन ली, और उद्धार के दिन मैं ने तेरी सहायता की: देखो, अभी वह प्रसन्नता का समय है; देखो, अभी उद्धार का दिन है।

3. फिलिप्पियों 2: 12, 13

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

12 इस कारण, मेरे प्यारो, जिस प्रकार तुम सदा से आज्ञा मानते आए हो, वैसे ही अब भी न केवल मेरे साथ रहते हुए पर विशेष करके अब मेरे दूर रहने पर भी डरते और कांपते हुए अपने अपने उद्धार का कार्य पूरा करते जाओ।
13 क्योंकि परमेश्वर ही है, जिस न अपनी सुइच्छा निमित्त तुम्हारे मन में इच्छा और काम, दोनों बातों के करने का प्रभाव डाला है।

4. 2 राजा 5: 1-4, 9-16

1 अराम के राजा का नामान नाम सेनापति अपने स्वामी की दृष्टि में बड़ा और प्रतिष्ठित पुरुष था, क्योंकि यहोवा ने उसके द्वारा अरामियों को विजयी किया था, और यह शूरवीर था, परन्तु कोढ़ी था।
2 अरामी लोग दल बान्ध कर इस्राएल के देश में जा कर वहां से एक छोटी लड़की बन्धुवाई में ले आए थे और वह नामान की पत्नी की सेवा करती थी।
3 उसने अपनी स्वामिन से कहा, जो मेरा स्वामी शोमरोन के भविष्यद्वक्ता के पास होता, तो क्या ही अच्छा होता! क्योंकि वह उसको कोढ़ से चंगा कर देता।
4 तो किसी ने उसके प्रभु के पास जा कर कह दिया, कि इस्राएली लड़की इस प्रकार कहती है।
9 तब नामान घोड़ों और रथों समेत एलीशा के द्वार पर आकर खड़ा हुआ।
10 तब एलीशा ने एक दूत से उसके पास यह कहला भेजा, कि तू जा कर यरदन में सात बार डुबकी मार, तब तेरा शरीर ज्यों का त्यों हो जाएगा, और तू शुद्ध होगा।
11 परन्तु नामान क्रोधित हो यह कहता हुआ चला गया, कि मैं ने तो सोचा था, कि अवश्य वह मेरे पास बाहर आएगा, और खड़ा हो कर अपने परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना कर के कोढ़ के स्थान पर अपना हाथ फेर कर कोढ़ को दूर करेगा!
12 क्या दमिश्क की अबाना और पर्पर नदियां इस्राएल के सब जलाशयों से अत्तम नहीं हैं? क्या मैं उन में स्नान कर के शुद्ध नहीं हो सकता हूँ? इसलिये वह जलजलाहट से भरा हुआ लौट कर चला गया।
13 तब उसके सेवक पास आकर कहने लगे, हे हमारे पिता यदि भविष्यद्वक्ता तुझे कोई भारी काम करने की आज्ञा देता, तो क्या तू उसे न करता? फिर जब वह कहता है, कि स्नान कर के शुद्ध हो जा, तो कितना अधिक इसे मानना चाहिये।
14 तब उसने परमेश्वर के भक्त के वचन के अनुसार यरदन को जा कर उस में सात बार डुबकी मारी, और उसका शरीर छोटे लड़के का सा हो गया; उौर वह शुद्ध हो गया।
15 तब वह अपने सब दल बल समेत परमेश्वर के भक्त के यहां लौट आया, और उसके सम्मुख खड़ा हो कर कहने लगा सुन, अब मैं ने जान लिया है, कि समस्त पृथ्वी में इस्राएल को छोड़ और कहीं परमेश्वर नहीं है। इसलिये अब अपने दास की भेंट ग्रहण कर।
16 एलीशा ने कहा, यहोवा जिसके सम्मुख मैं उपस्थित रहता हूँ उसके जीवन की शपथ मैं कुछ भेंट न लूंगा, और जब उसने उसको बहुत विवश किया कि भेंट को ग्रहण करे, तब भी वह इनकार ही करता रहा।

5. लूका 19: 1-10

1 वह यरीहो में प्रवेश करके जा रहा था।
2 और देखो, ज़क्कई नाम एक मनुष्य था जो चुंगी लेने वालों का सरदार और धनी था।

3 वह यीशु को देखना चाहता था कि वह कौन सा है परन्तु भीड़ के कारण देख न सकता था। क्योंकि वह
नाटा था।
4 तब उस को देखने के लिये वह आगे दौड़कर एक गूलर के पेड़ पर चढ़ गया, क्योंकि वह उसी मार्ग से जाने
वाला था।
5 जब यीशु उस जगह पहुंचा, तो ऊपर दृष्टि कर के उस से कहा; हे ज़क्कई झट उतर आ; क्योंकि आज मुझे
तेरे घर में रहना अवश्य है।
6 वह तुरन्त उतर कर आनन्द से उसे अपने घर को ले गया।
7 यह देख कर सब लोगे कुड़कुड़ा कर कहने लगे, वह तो एक पापी मनुष्य के यहां जा उतरा है।
8 ज़क्कई ने खड़े होकर प्रभु से कहा; हे प्रभु, देख मैं अपनी आधी सम्पत्ति कंगालों को देता हूं, और यदि
किसी का कुछ भी अन्याय करके ले लिया है तो उसे चौगुना फेर देता हूं।
9 तब यीशु ने उस से कहा; आज इस घर में उद्धार आया है, इसलिये कि यह भी इब्राहीम का एक पुत्र है।
10 क्योंकि मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूंढ़ने और उन का उद्धार करने आया है॥

6. भजन संहिता 46: 1, 2 (से *1st* ,), 4, 5 (से :), 10, 11 (से *1st* .)

1 परमेश्वर हमारा शरणस्थान और बल है, संकट में अति सहज से मिलने वाला सहायक।
2 इस कारण हम को कोई भय नहीं चाहे पृथ्वी उलट जाए, और पहाड़ समुद्र के बीच में डाल दिए जाएं;
4 एक नदी है जिसकी नहरों से परमेश्वर के नगर में अर्थात परमप्रधान के पवित्र निवास भवन में आनन्द होता
है।
5 परमेश्वर उस नगर के बीच में है, वह कभी टलने का नहीं; पौ फटते ही परमेश्वर उसकी सहायता करता है।
10 चुप हो जाओ, और जान लो, कि मैं ही परमेश्वर हूं। मैं जातियों में महान हूं, मैं पृथ्वी भर में महान हूं!
11 सेनाओं का यहोवा हमारे संग है; याकूब का परमेश्वर हमारा ऊंचा गढ़ है॥

7. भजन संहिता 91: 1-3

1 जोपरमप्रधान के छाए हुए स्थान में बैठा रहे, वह सर्वशक्तिमान की छाया में ठिकाना पाएगा।
2 मैं यहोवा के विषय कहूंगा, कि वह मेरा शरणस्थान और गढ़ है; वह मेरा परमेश्वर है, मैं उस पर भरोसा
रखूंगा।
3 वह तो तुझे बहेलिये के जाल से, और महामारी से बचाएगा.

8. यशायाह 10: 24 (से *1st* ,)

24 इसलिये प्रभु सेनाओं का यहोवा यों कहता है,

9. भजन संहिता 91: 14-16

14 उसने जो मुझ से स्नेह किया है, इसलिये मैं उसको छुड़ाऊंगा; मैं उसको ऊंचे स्थान पर रखूंगा, क्योंकि उसने
मेरे नाम को जान लिया है।
15 जब वह मुझ को पुकारे, तब मैं उसकी सुनूंगा; संकट में मैं उसके संग रहूंगा, मैं उसको बचा कर उसकी
महिमा बढ़ाऊंगा।

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

[16] मैं उसको दीर्घायु से तृप्त करूंगा, और अपने किए हुए उद्धार का दर्शन दिखाऊंगा॥

विज्ञान और स्वास्थ्य

1. 444: 10-12

जो लोग उस पर भरोसा करते हैं, वे धीरे-धीरे पाएंगे कि "परमेश्वर हमारी शरण और शक्ति है, संकट में अति सहज सहायक है।"

2. 22: 11-12

"अपने उद्धार के लिए काम करो," यही जीवन और प्रेम की मांग है, क्योंकि इसी उद्देश्य से परमेश्वर आपके साथ काम करता है।

3. 593: 20-22

मुक्ति। जीवन, सत्य और प्रेम को सबसे ऊपर समझा और दिखाया गया; पाप, बीमारी और मृत्यु का नाश किया गया।

4. 394: 17-27

अनुभव ने लेखक को आम तौर पर भौतिक सिस्टम की गलतफहमियों को साबित कर दिया है—कि उनकी थ्योरी कभी-कभी नुकसानदायक होती हैं, और उनके इनकार उनकी बातों से बेहतर होते हैं। क्या आप किसी इंसान को बुराइयों को अपने ऊपर हावी होने देने के लिए कहेंगे, उसे यह भरोसा दिलाते हुए कि सारी मुसीबतें भगवान की तरफ से हैं, जिनसे इंसानों को लड़ना नहीं चाहिए? क्या आप बीमारों से कहेंगे कि उनकी हालत बेकार है, जब तक कि कोई दवा या मौसम उनकी मदद न कर दे? क्या भौतिक साधन ही खतरनाक हालात से बचने का एकमात्र सहारा हैं? क्या हर तरह के झगड़े को मेलजोल, सच्चाई और प्यार से जीतने की कोई भगवान की इजाज़त नहीं है?

5. 240: 18-26

अनुभव ने लेखक को आम तौर पर भौतिक तंत्र की गलतफहमियों को साबित कर दिया है—कि उनकी थ्योरी कभी-कभी नुकसानदायक होती हैं, और उनके इनकार उनकी बातों से बेहतर होते हैं। क्या आप किसी इंसान को बुराइयों को अपने ऊपर हावी होने देने के लिए कहेंगे, उसे यह भरोसा दिलाते हुए कि सारी परेशानियां भगवान की तरफ से हैं, उसे इंसानों को नहीं लगाना चाहिए? क्या आप बीमारों से कहेंगे कि उनकी हालत बेकार है, जब तक कि कोई दवा या मौसम उनकी मदद न कर दे? क्या भौतिक साधन ही खतरनाक हालात से बचने का एकमात्र सहारा हैं? क्या हर तरह के शेड को मेलजोल, सच्चाई और प्यार से जीतने की कोई भगवान की इजाज़त नहीं है?

6. 37: 27-9

ये ज़रूरी आदेश सुनो: "इसलिए तुम भी परफेक्ट बनो, जैसे तुम्हारा पिता जो स्वर्ग में है, परफेक्ट है!" "सारी दुनिया में जाओ, और हर जीव को खुशखबरी सुनाओ!" "बीमारों को ठीक करो!"

इस बाइबल पाठ को प्लेनफील्ड क्रिश्चियन साइंस चर्च, इंडिपेंडेंट द्वारा तैयार किया गया था। यह किंग जेम्स बाइबल से स्क्रिप्चरल कोटेशन से बना है और मैरीक बकरी एड्डी ने क्रिश्चियन साइंस पाठ्यपुस्तक विज्ञान और स्वास्थ्य से कुंजी के साथ शास्त्र के लिए सहसंबद्ध मार्ग लिया है।

इस ईसाई ने इंसानियत को ईसाई कोशिशों के लिए उकसाने के लिए इतनी कम प्रेरणा की मांग क्यों की है? क्योंकि लोगों को यकीन दिलाया गया है कि यह आदेश सिर्फ़ एक खास समय के लिए और कुछ खास फॉलोअर्स के लिए था। यह शिक्षा पहले से तय करने के पुराने सिद्धांत से भी ज़्यादा खतरनाक है,—कुछ लोगों को बचाने के लिए चुनना, जबकि बाकी को सज़ा दी जाती है; और इसलिए इस पर तब विचार किया जाएगा, जब इंसानों के बनाए सिद्धांतों से पैदा हुई इंसानों की सुस्ती, भगवान के विज्ञान की मांगों से टूट जाएगी।

7. 31: 12-17

ईसाई कामों की लिस्ट में सबसे पहले, उन्होंने अपने फॉलोअर्स को सच्चाई और प्यार की ठीक करने की ताकत सिखाई। उन्होंने मरे हुए कामों को कोई अहमियत नहीं दी। यह ज़िंदा मसीह, प्रैक्टिकल सच है, जो यीशु को उन सभी के लिए "फिर से ज़िंदा होना और ज़िंदगी" बनाता है जो सच में उनका अनुसरण करते हैं।

8. 39: 1-25

हमारे गुरु ने अपनी अनदेखी शान के मज़ाक का सामना नरमी से किया। उन्हें जो बेइज्जती मिली, उसे उनके फॉलोअर्स ईसाई धर्म की आखिरी जीत तक सहेंगे। उन्होंने हमेशा के लिए सम्मान जीता। उन्होंने दुनिया, शरीर और सभी गलतियों पर जीत हासिल की, इस तरह उनकी कोई अहमियत साबित की। उन्होंने पाप, बीमारी और मौत से पूरी तरह मुक्ति दिलाई। हमें "क्राइस्ट, और उन्हें सूली पर चढ़ाए जाने" की ज़रूरत है। हमें मुश्किलों और खुद को नकारने के साथ-साथ खुशियाँ और जीत भी मिलनी चाहिए, जब तक कि सभी गलतियाँ खत्म न हो जाएँ।

यह पढ़ा-लिखा विश्वास कि आत्मा शरीर में है, इंसानों को मौत को दोस्त, मौत से अमरता और खुशी की ओर जाने का एक रास्ता मानने पर मजबूर करता है। बाइबिल मौत को दुश्मन कहती है, और जीसस ने मौत और कब्र पर जीत हासिल की, बजाय इसके कि वे उनके आगे झुकें। वह "रास्ता" थे। इसलिए, उनके लिए मौत वह दहलीज़ नहीं थी जिसे पार करके उन्हें ज़िंदा शान में जाना था।

धर्मदूत ने कहा, "अब, यह सही समय है; देखो, अब मुक्ति का दिन है,"—मतलब, अब लोगों को भविष्य की दुनिया की मुक्ति या सुरक्षा के लिए तैयार नहीं होना चाहिए, बल्कि अब वह समय है जब आत्मा और जीवन में उस मुक्ति का अनुभव किया जाए। अब तथाकथित भौतिक दुखों और भौतिक सुखों के खत्म होने का समय है, क्योंकि दोनों ही झूठे हैं, क्योंकि साइंस में ये नामुमकिन हैं।

9. 30: 30-32

हम अपने लिए नहीं चुन सकते, बल्कि हमें यीशु के सिखाए तरीके से अपने उद्धार के लिए काम करना होगा।

10. 98: 31-29

जिस तरीके से अमरता और जीवन सीखा जाता है, वह चर्च का नहीं बल्कि ईसाई है, इंसानी नहीं बल्कि भगवान का, फिजिकल नहीं बल्कि मेटाफिजिकल, मैटेरियल नहीं बल्कि साइंटिफिक रूप से आध्यात्मिक है। इंसानी फिलॉसफी, नैतिकता और अंधविश्वास कोई ऐसा साबित करने लायक भगवान का सिद्धांत नहीं देते जिससे इंसान पाप से बच सकें; फिर भी पाप से बचना ही बाइबिल की मांग है। धर्मदूत कहते हैं, "डरते और कांपते हुए अपने

उद्धार का काम पूरा करो," और वह सीधे कहते हैं: "क्योंकि यह भगवान ही है जो तुममें अपनी अच्छी इच्छा के अनुसार इच्छा और काम करने का असर डालता है" (फिलिप्पियों 2:12, 13)। सच ने राज की चाबी दी है, और इस चाबी से क्रिश्चियन साइंस ने इंसानी समझ का दरवाज़ा खोल दिया है। कोई भी ताला नहीं तोड़ सकता और न ही किसी दूसरे दरवाज़े से अंदर आ सकता है। आम शिक्षाएं मैटेरियल होती हैं, स्पिरिचुअल नहीं। क्रिश्चियन साइंस सिर्फ़ वही सिखाता है जो स्पिरिचुअल और भगवान का है, इंसानी नहीं। क्रिश्चियन साइंस में कोई गलती नहीं होती और यह भगवान का है; चीज़ों के बारे में इंसानी समझ गलत होती है क्योंकि वह इंसानी है।

जो लोग थियोसॉफी, स्पिरिचुअलिज़्म या हिप्नोटिज़्म अपनाते हैं, उनमें उन लोगों से ज़्यादा अच्छा स्वभाव हो सकता है जो अपनी झूठी मान्यताओं को छोड़ देते हैं। इसलिए मेरा मुकाबला किसी व्यक्ति से नहीं, बल्कि झूठे सिस्टम से है। मैं इंसानियत से प्यार करता हूँ, और मेहनत करता रहूँगा और सहता रहूँगा।

सच्ची स्पिरिचुअलिटी की शांत, मज़बूत धाराएँ, जिनके रूप सेहत, पवित्रता और आत्म-बलिदान हैं, इंसानी अनुभव को तब तक गहरा करती रहेंगी, जब तक कि दुनियावी दुनिया की मान्यताएँ एक सीधी-सादी बात न लगने लगें, और पाप, बीमारी और मौत हमेशा के लिए दिव्य आत्मा के साइंटिफिक प्रदर्शन और भगवान के स्पिरिचुअल, परफ़ेक्ट इंसान को जगह न दे दें।

11. 264: 24-31

आध्यात्मिक जीवन और आशीर्वाद ही एकमात्र सबूत हैं, जिनसे हम सच्चे अस्तित्व को पहचान सकते हैं और उस बेहिसाब शांति को महसूस कर सकते हैं जो सबको अपनी ओर खींचने वाले आध्यात्मिक प्रेम से आती है।

जब हम क्रिश्चियन साइंस में रास्ता सीखते हैं और इंसान के आध्यात्मिक अस्तित्व को पहचानते हैं, तो हम भगवान की बनाई चीज़ों को देखेंगे और समझेंगे,—धरती, स्वर्ग और इंसान की सारी शान।

दैनिक कर्तव्यों

मैरी बेकर एड्डी द्वारा

दैनिक प्रार्थना

प्रत्येक दिन प्रार्थना करने के लिए इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का कर्तव्य होगा: "तुम्हारा राज्य आओ;" ईश्वरीय सत्य, जीवन और प्रेम के शासन को मुझमें स्थापित करो, और मुझ पर शासन करो; और तेरा वचन सभी मनुष्यों के स्नेह को समृद्ध कर सकता है, और उन पर शासन करो!

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 4

उद्देश्यों और कृत्यों के लिए एक नियम

न तो दुश्मनी और न ही व्यक्तिगत लगाव मदर चर्च के सदस्यों के उद्देश्यों या कृत्यों को लागू करना चाहिए। विज्ञान में, दिव्य प्रेम ही मनुष्य को नियंत्रित करता है; और एक क्रिश्चियन साइंटिस्ट प्यार की मीठी सुविधाओं को दर्शाता है, पाप में डांटने पर, सच्चा भाईचारा, परोपकार और क्षमा में। इस चर्च के सदस्यों को प्रतिदिन ध्यान रखना चाहिए और प्रार्थना को सभी बुराईयों से दूर करने, भविष्यद्वाणी, न्याय करने, निंदा करने, परामर्श देने, प्रभावित करने या गलत तरीके से प्रभावित होने से बचाने के लिए प्रार्थना करनी चाहिए।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 1

कर्तव्य के प्रति सतर्कता

इस चर्च के प्रत्येक सदस्य का यह कर्तव्य होगा कि वह प्रतिदिन आक्रामक मानसिक सुझाव से बचाव करे, और भूलकर भी ईश्वर के प्रति अपने कर्तव्य की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए, अपने नेता और मानव जाति के लिए। उनके कामों से उन्हें आंका जाएगा, — और वह उचित या निंदनीय होगा।

चर्च मैनुअल, लेख VIII, अनुभाग 6